मोरटक्का पुल पर भी हो सकता है मौत का तांडव!

75 साल पुराना ब्रिज जर्जर अवस्था में पहुंचा

20 टन वजन की क्षमता नहीं 80 टन वजनी वाहन गुजर रहे

वीरेंद्र वर्मा

इंदौर. मध्यप्रदेश में भी गुजरात जैसी दुर्घटना होने का अंदेशा हो रहा है! इंदौर से 60 किलोमीटर दूरी पर नर्मदा नदी पर बना मोरटक्का पुल भी जर्जर अवस्था में है. उक्त पुल की उम्र पूरी हो चुकी है.

नर्मदा नदी पर बने मोरटक्का पुल से बड़ी संख्या में महाराष्ट्र की ओर से आने जाने वाले भारी वाहन गुजरते हैं. पांच वर्ष पहले मोरटक्का पुल में भारी दरारें आ गई थी और रास्ता करीब एक माह से ज्यादा समय तक बंद रहा था.

कल गुजरात के बड़ौदा का महिसागर पुल टूट कर गिर गया, जिसमें 14 लोगों की मौत एवं 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए. पुल गिरने का कारण जर्जर अवस्था में था. मध्यप्रदेश में खंडवा जिले की बड़वाह तहसील के तहत मोरटक्का में नर्मदा नदी पर दो लेन ब्रिज है.

यह ब्रिज 75 साल पुराना हो गया है. इंदौर से यह ब्रिज 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. उक्त ब्रिज से रोजाना करीब 5 हजार से ज्यादा वाहन गुजरते हैं. करीब 5 साल पहले सन् 2020 में मोरटक्का ब्रिज का एक सिरा बैठ गया था और पुल में दरारें आ गई थी. इंदौर के जीएसआईटीएस कॉलेज की टीम ने ब्रिज को सुधारा था. शासन ने उक्त ब्रिज को लेकर रिपोर्ट भी बनवाई थी, लेकिन आज तक उक्त ब्रिज की रिपोर्ट उजागर नहीं की गई.

5 जिलों के लाखों लोग रोजाना करते हैं आना जाना

महाराष्ट्र को बुरहानपुर के रास्ते से जोड़ने वाले मोरटक्का पुल पर से रोजाना लाखों लोग आना जाना करते है. उक्त ब्रिज से पांच जिले बुरहानपुर, खंडवा, बड़वानी, खरगोन और इंदौर के निवासी गुजरते है. खास बात यह है कि मोरटक्का से मात्र 13 किलोमीटर की दूरी पर प्रसिद्ध ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग है, जिसके दर्शन के लिए देश विदेश से हजारों की संख्या में दर्शनार्थी और पर्यटक आना जाना करते है.

नए ब्रिज में अभी 6 माह का समय और लगेगा

इंदौर इच्छापुर फोरलेन सड़क निर्माण कार्य चल रहा है. सड़क बनाने वाली कंपनी ही नर्मदा नदी पर 6 लेन ब्रिज का निर्माण कर रही है. यह ब्रिज करीब 1275 मीटर लंबा बनाया जा रहा है. इसकी ऊंचाई भी वर्तमान मोरटक्का ब्रिज से दो गुना से भी ज्यादा है. एनएचएआई के रीजनल डायरेक्टर प्रतीक यादव ने बताया कि नर्मदा पर निर्माणाधीन नए 6 लेन ब्रिज का काम दिसंबर तक पूरा हो जाएगा.

गांधी सागर अभयारण्य में मिला दुर्लभ स्याहगोश

दुर्लभ प्रजातियों के लिये सुरक्षित आश्रय-स्थली बना अभ्यारण्य

मप्र में वर्षों बाद संरक्षित क्षेत्र में कैराकल की पुष्टि गर्व की बात

भोपाल, 10 जुलाई. गांधी सागर अभ्यारण्य मंदसौर में दुर्लभ प्रजाति के स्याहगोश (कैराकल) की उपस्थिति दर्ज हुई है. गांधी सागर वन्य-जीव अभ्यारण्य में कैराकल जिसे स्थानीय रूप से स्याहगोश कहा जाता है कैमरा ट्रैप में दिखाई दिया.

यह मांसाहारी प्रजाति का अत्यंत शर्मीला, तेज गति से दौड़ने वाला और सामान्यत: रात्रिचर वन्य-जीव है. यह मुख्यत: शुष्क, झाड़ीदार, पथरीले और खुली घास वाले इलाकों में पाया जाता है. भारत में अब यह प्रजाति विलुप्तप्राय श्रेणी में रखी गयी है और इसकी उपस्थिति बहुत ही दुर्लभ मानी जाती है.

गांधी सागर अभ्यारण्य के वन अधिकारी ने बताया कि वन मण्डल मंदसौर में लगाये गये कैमरा ट्रैप में एक वयस्क नर कैराकल की उपस्थिति दर्ज हुई है जो जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है. अभ्यारण्य में संरक्षित आवासों की गुणवत्ता और संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण भी है.

यह खोज वन्य-जीव शोध के लिए महत्वपूर्ण

मध्यप्रदेश में पिछले कई वर्षों बाद किसी संरक्षित क्षेत्र में कैराकल की पुष्टि हुई है, जो प्रदेश के लिये गर्व की बात है. यह खोज न केवल वन्य-जीव शोध के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है, बल्कि हमारे संरक्षण प्रयासों की सफलता का भी प्रमाण है. इस उपलब्धि के लिये वन विभाग एवं गाँधी सागर वन्य-जीव अभ्यारण्य के अधिकारी-कर्मचारियों के विशेष प्रयासों से विविध पारिस्थितिकी संरक्षित रह पायी है जिससे आज यह अभ्यारण्य दुर्लभ प्रजातियों के लिये भी एक सुरक्षित आश्रय-स्थली बना हुआ है.

बिन ब्याही युवती बनी मां

आरोपी को 11 वर्ष का कठोर कारावास

पन्ना ब्यूरो

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पन्ना ने अभियोक्त्री की इच्छा के विरूद्ध एवं उसकी सहमति के बिना उसके साथ कई बार संभोग करके बलात्संग करने तथा गर्भवती होने के बाद बच्चे को जन्म देने एवं उसे जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी रमेश पिता सुन्दर लाल उम्र-43 वर्ष को धारा-376(2)(एन) भा.द.सं. के अन्तर्गत आरोप में दोष सिद्ध पाये जाने पर ग्यारह वर्ष का सश्रम कारावास एवं पचहत्तर हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया.

अर्थदण्ड के व्यतिक्रम में दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगताये जाने का निर्णय दिया गया. जिला लोक अभियोज किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी उसके घर दिनांक-06 जून 2023 को आया और उसके घर में कोई नहीं था तो उसके साथ उसकी मर्जी के विरूद्ध गलत काम किया तथा लगातार उसके साथ उसकी मर्जी के विरूद्ध गलत काम करता रहा, जिससे वह गर्भवती हो गई.

पशुपतिनाथ मंदिर में कलेक्टर अदिति ने की पूजा

श्रावण माह की व्यवस्था एवं पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्यों का लिया जायजा

मंदसौर. गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मैनपुरीया आश्रम के चैतन्य महाराज, सांसद सुधीर गुप्ता, मंदसौर विधायक विपिन जैन, कलेक्टर अदिति गर्ग, पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा ने भगवान पशुपतिनाथ का पूजन अर्चन किया.

मस्तरामजी महाराज, संत प्रत्यक्षानन्दजी महाराज की पूजा अर्चना कर आरती की.

पूजन के पश्चात कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य एवं श्रावण माह की तैयारी के संबंध में जायजा लिया. निरीक्षण के साथ ही श्रावण माह में पशुपतिनाथ मंदिर में की जाने वाली व्यवस्थाओं का अवलोकन किया. पार्किंग व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए. लोक निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी को मंदिर के सभी गेट पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए.

6वीं मंजिल से गिरी 4 साल की बच्ची, हुई मौत

ग्वालियर. सागरताल रोड स्थित एक सरकारी मल्टी से 4 साल की बच्ची की गिरने से मौत हो गयी. मनु तोमर के माता-पिता भिंड जिले के गोहद में चिमथा गांव के निवासी है. पेरेंट्स उसे डॉक्टर से चेकअप कराने के लिये ग्वालियर लाये थे. वह अपनी बहन कल्पना सिकरवार के छठी मंजिल पर बने फ्लैट नम्बर 602 में रूके थे. घटना के समय बच्ची बेड पर खेल रही थी. खेलते-खेलते वह खिड़की तक पहुंच गयी और नीचे गिर गयी. उसके गिरने की भनक लगते ही परिजन नीचे पहुंचे और बच्ची को फौरन अस्पताल ले गये. डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई.

नशे में धुत युवक ने प्लेटफॉर्म पर लगा दी कार

ग्वालियर, 10 जुलाई. ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक नशे में धुत युवक अपनी कार को लेकर सीधे प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर लेकर पहुंच गया. इस घटना से यात्रियों और स्टेशन स्टाफ में हड़कंप मच गया. प्लेटफॉर्म पर मौजूद आरपीएफ जवानों ने सक्रियता दिखाते हुए युवक को कार समेत दबोच लिया, वरना बड़ा हादसा हो सकता था.

पुलिस में आरोपी कार चालक का मेडिकल कराने के बाद उसके खिलाफ यात्रियों की जान खतरे में डालने और रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस ने गुरुवार दोपहर को युवक को रेलवे कोर्ट में पेश किया. जहां रेलवे कोर्ट ने उस पर चालानी कार्रवाई करने के बाद उसे जमानत देकर छोड़ दिया है. स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर कार लेकर पहुंचा नितिन राठौर, महाराजपुरा स्थित आदित्यपुरम का रहने वाला है. पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि उसने पिछली रात ज्यादा शराब पी ली थी, जिससे उसे होश नहीं था. इसी कारण वह अपनी ब्लेंजा कार लेकर स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर पहुंच गया. उसे यह भी याद नहीं था कि वह कार लेकर कहां जा रहा है.

बताया जा रहा है कि युवक का अपनी पत्नी से शराब को लेकर विवाद हो गया था और पत्नी नाराज होकर मायके जाने के लिए स्टेशन पहुंची थी, उसी को मनाने के लिए वह अपनी कार को लेकर स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर पहुंच गया था लेकिन आरपीएफ पुलिस ने इसको लेकर कोई पुष्टि नहीं की है, आरपीएफ पुलिस का कहना है कि आरोपी कार चालक ने पूछताछ में शराब के नशे में होना बताया था।

जिला पंचायत अध्यक्ष को मिला राज्य मंत्री का दर्जा

सीधी. मप्र शासन, सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल के द्वारा प्रदेश के समस्त जिला पंचायत के अध्यक्षों को राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है. तत्संबंध में जिला पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंशुमन राज द्वारा जिले के विभागीय अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर शासन के निर्देशानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं. उक्त आदेश के बाद अब जिला पंचायत सीधी अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह को राज्यमंत्री का दर्जा मिलने से उनका कद भी बढ़ गया है.

पत्रकारों ने एसपी से की मुलाकात

कई पत्रकारों ने मौके पर मौजूद सीएसपी के कार्यप्रणाली पर उठाया सवाल

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 10 जुलाई. जिले के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ पत्रकारों का एक प्रतिनिधिमंडल गुरूवार दोपहर पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री से मुलाकात करते हुये सीएसपी पीएस परस्ते की कार्यप्रणाली और उनके द्वारा पत्रकारों के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को लेकर शिकायत की.

पत्रकारों ने कड़े शब्दों में कहा है कि यदि अब किसी भी पत्रकार साथियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया तो पत्रकार अगला कदम उठाने के लिए विवश हो जाएंगे. इस दौरान एसपी ने आश्वस्त किया कोई भी पुलिस किसी भी मीडिया कर्मी के गलत बर्ताव नही करेगा. मौके पर सीएसपी भी मौजूद थे.

पत्रकारों ने बताया कि कई बार प्रशासनिक सूचनाओं एवं घटनाओं की जानकारी लेने के दौरान सीएसपी का व्यवहार असहज और असम्मान जनक रहा है, जिससे पत्रकारों की गरिमा को ठेस पहुँची है. प्रतिनिधिमंडल ने इस प्रकार के रवैये को प्रेस और पुलिस के बीच विश्वास की दीवार को कमजोर करने वाला बताया. इस संबंध में एसपी मनीष खत्री ने पत्रकारों की बातों को गंभीरता से सुना.

बरगी बांध के 12 गेट किए गए बंद

जबलपुर. मंडला- डिंडौरी में तेज बारिश से रानी अवंतीबाई परियोजना के तहत बरगी के कैचमेंट एरिया में पानी की अधिकता को देखते हुए खोले डेम के 17 गेटों को खोला गया था.

बुधवार को पानी की सामान्य आउटपुट की वजह से जल स्तर मैंटेन हो गया है. मौजूदा हालात में बरगी में इनपुट कम होने की वजह से गुरूवार दोपहर 12 बजे डेम के 12 गेट बंद कर दिए गए हैं. डेम के सिर्फ पांच गेटों से पानी छोड़ा जा रहा है. पांचों गेटों को दो-दो मीटर खोला गया है. इन गेटों से 40,612 क्यूसेक पानी निकल रहा है. बांध का जलस्तर घटकर 416.50 मीटर हो गया है.

नाबालिग से इंस्टाग्राम पर दोस्ती की जिद की

इंदौर. एकतरफा लगाव में एक युवक नाबालिग को सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक परेशान करता रहा. जब किशोरी ने बातचीत करने से इनकार किया, तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दे डाली. घटना संयोगितागंज थाना क्षेत्र की है. 17 वर्षीय किशोरी ने थाने पहुंचकर बताया कि कुछ साल पहले एक शादी समारोह में उसकी मुलाकात महू में रहने वाले लक्की खान से हुई थी. तभी लक्की ने उसका नंबर लिया और इंस्टाग्राम पर संपर्क करना शुरू कर दिया. गत दिवस जब वह सन्मति स्कूल के पास से गुजर रही थी, तो लक्की ने कहा इंस्टाग्राम पर क्यों नहीं बात करती? किशोरी के मना करने पर लक्की ने जान से मारने की धमकी दी.

उफनाते नाले के बीच पलटते-पलटते बची बस

दमोह. जिले के तेजगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत इमलिया चौकी लकलका झापन मार्ग पर अपने गंतव्य की ओर जा रही यात्री बस उफनाते नाले के बीच पलटते-पलटते बच गई, गनीमत रही की बस एमपी 09 एफ ए 5306 पलटी नहीं, नहीं तो बड़ी घटना होने की संभावना थी.

बता दें कि झमाझम बारिश विगत दो-तीन दिन से जिले में जारी है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त के साथ यह बड़ा हादसा हो सकता था. लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने जान जोखिम में डालकर बस में मौजूद 15 से 20 यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया, बता दे कि झापन मार्ग पर लकलका नाला/पुलिया नाम से जाना जाता है, जो कभी-कभी अधिक बारिश होने से सड़क के ऊपर से पानी बहता है. जैसे ही घटना की जानकारी पुलिस को लगी, तो मौके पर पुलिस अधीक्षक श्री सोमवंशी के निर्देशन में एसडीओपी तेंदूखेड़ा देवी सिंह ठाकुर, इमलिया चौकी प्रभारी अक्षेंद्रनाथ के साथ पुलिस बल, तारादेही थाना प्रभारी आलोक तिरपुड़े, तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह, तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी नीतीश जैन सहित पुलिस ने पहुंचकर मौजूद स्थिति को देख कर तत्काल ही यात्रियों को निकलवाने में सहयोग किया. जिस किसी भी तरह की घटना घटित नहीं हो पाई.

रनिंग के दौरान बस में 15 से 20 यात्री थे मौजूद

पुलिस ने रेस्क्यू कर सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला

बता दे कि साफ-साफ तौर पर बस ड्राइवर की लापरवाही देखी गई, जिससे बड़ी घटना हो सकती थी. लेकिन पेड़ और पत्थर बीच में आ जाने से बस नहीं पलट पाई. लगातार नवभारत लोगों से अपील कर रहा है कि इस समय बारिश झमाझम हो रही है. नाली नदियां तूफान पर है, तो बहते पानी के बीच नाला, नदियों से निकलने की गलती ना करें.

एक नजर में

मृत मोरों की जांच के लिए दल गठन

झाबुआ. उप वनमंडलाधिकारी सुनिल सुलिया ने बताया कि 9 जुलाई को वन परिक्षेत्र थांदला की बीट ढेबर बडी के कक्ष क्र. 7 आरक्षित वन में शाम लगभग 7 बजे ग्रामीणों से सूचना प्राप्त हुई की ढेबर बडी के राजस्व क्षेत्र खेतों से लगे वन क्षेत्र में जगह-जगह 12 मोर (9 मादा, 2 नर, 1 जीवित नर) पाये गये है. सूचना प्राप्त होते ही वन अमला लगभग 7:30 बजे पहुंचकर मृत मिले मोरो का स्थल निरीक्षण कर एक जगह रोड पर एकत्र कर प्रकरण लापता में कायम किया गया. मौके पर अधिकारीगण द्वारा लगभग 10 बजे पहुंचकर मौका मुआयना कर समस्त मोरो को शासकीय वाहन से वन क्षेत्र ढेबर बडी से शव परीक्षण हेतु वन परिसर मेघनगर में लाकर सुरक्षित कमरे में रखा गया. 10 जुलाई को सुबह जिलाशल्य पशु चिकित्सक झाबुआ के दल द्वारा वन परिसर मेघनगर में नियमानुसार अधिकारियो एवं जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में 11 मृत मोरो का शव विच्छेदन कर विसरा एकत्र करवाया गया जिससे जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा जावे. घटना स्थल की विस्तृत जांच हेतु वनमंडलाधिकारी झाबुआ द्वारा दल का गठन किया गया. जिसकी जांच उपरांत आगामी कार्यवाही की जायेगी.

खेत के गहरे गड्ढे में गिरा 5 साल का मासूम, मौत

सिवनी नवभारत. बरघाट से लगभग 2 किलोमीटर दूर मानेगांव कला में गुरुवार की शाम खेत के एक गहरे कुआंनुमा गड्ढा में मासूम बालक के गिर जाने से मौत हो गई. बालक की मौत की खबर से परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है, वही गांव में शोक की लहर फैल गई है. प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को दोपहर 2 बजे 5 वर्षीय बालक निहाल ठाकुर पिता ज्वाला सिंह ठाकुर खेलने गया था. खेत के टाके में खेलते खेलते गिर गया, बारिश के चलते खेत के टांका में लबालब पानी भरा हुआ था.

600 साल पुराना महाविष्णु मंदिर फिर हुआ जीवित

मुरैना. मुरैना जिले के बटेश्वर स्थित ऐतिहासिक महाविष्णु मंदिर को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने बिखरे पत्थरों से मंदिर का पुनर्निर्माण किया है. इस परियोजना के तहत एक प्राचीन मठ और पांच अन्य मंदिरों का जीर्णोद्वार भी किया गया है. लगभग छह सौ साल पहले भूकंप में पत्थरों के ढेर में तब्दील हुआ यह मंदिर अब फिर से अपने मूल स्वरूप में खड़ा हो गया है. एएसआई द्वारा मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य 2022 में प्रारंभ हुआ था, जो अब पूरा हो चुका है.

वापसी रथयात्रा | **रथयात्रा बड़ी खेरमाई से प्रारंभ होकर गढ़ाफाटक स्थित साहू धर्मशाला में संपन्न हुई**

मौसी के घर से अपने धाम पहुंचे जगत के नाथ जगन्नाथ

जबलपुर. जगत के नाथ भगवान जगन्नाथ स्वामी अपने भाई बलभद्र एवं बहिन देवी सुभद्रा के साथ 12 दिन मौसी के घर विश्राम के बाद पश्चात अपने मंदिर वापस पहुंचे.

वात्री साहू समाज जबलपुर द्वारा संचालित श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट लॉर्डगंज के तत्वाधान में गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान जगन्नाथ स्वामी की वापसी रथयात्रा निकाली गई जो बड़ी खेरमाई से प्रारंभ होकर गढ़ाफाटक स्थित साहू धर्मशाला में संपन्न हुई.

साहू समाज के कोठिया श्रीकान्त साहू ने बताया जगन्नाथ पुरी की तरह जबलपुर में भी भगवान जगन्नाथ स्वामी अपने भाई बलभद्र जी और बहिन सुभद्रा जी के साथ अपने धाम से रथ में सवार होकर निकलते है और जिस तरह जगन्नाथ पुरी में भगवान गुंडीचा मंदिर स्थित अपनी मौसी के घर में 12 दिनों तक विश्राम करते है उसी तरह जबलपुर साहू समाज द्वारा निकाली रथयात्रा के बाद भगवान बड़ी खेरमाई स्थित सिंहवाहनी मंदिर को अपनी मौसी का घर मानकर विश्राम करते है.

वात्री साहू समाज द्वारा निकाली जाने वाली रथयात्रा का यह 136 वां वर्ष था, वापसी रथयात्रा बड़ी खेरमाई से प्रारंभ होकर, हनुमानताल, मिलोनीगंज, कोतवाली, सराफा, कमानिया गेट, बड़ा फुहारा, चरहाइ होते हुए साहू धर्मशाला गढ़ाफाटक स्थित अस्थाई मंदिर पहुंची जहां भगवान अपने मंदिर में विराजित हुए. वापसी रथयात्रा के दौरान भगवान के प्रसाद मीठे चावल का वितरण किया गया. मंदिर पहुंचने पर भक्तो द्वारा भगवान को भोग अर्पित कर आरती की गई. इस अवसर पर वात्री साहू समाज के मुखिया मेहते राजेन्द्र साहू, चौधरी मुकेश साहू, हरीश साहू, राजेश साहू पप्पू, नरेंद्र साहू, राकेश साहू, रवि साहू, सुभाष साहू, विनोद साहू, गुड्डा साहू, मनोज साहू, मनोहर साहू, राजू साहू, सुरेश साहू, श्रीकांत साहू, विशाल साहू, धर्मेंद्र साहू, बृजेश साहू, संजय साहू, रामदीन साहू, जगन्नाथ साहू, मनोज साहू के साथ बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु एवं मातृ शक्ति शामिल हुये.

कलेक्टर ने 6 अधिकारियों को दिया नोटिस

रीवा. कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत चिन्हित सेवाएं समय सीमा में उपलब्ध न कराने पर 6 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है. नोटिस का तीन दिवस में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर अर्थदण्ड की कार्यवाही की जाएगी. क्सीएमओ गोविंदगढ़ को जन्म प्रमाण पत्र न देने तथा सिविल सर्जन डॉ प्रतिभा मिश्रा को आवेदक की आयु का चिकित्सकीय सत्यापन न करने पर नोटिस दिया है. कलेक्टर ने सीएमओ सेमरिया सुषमा मिश्रा को समय सीमा में विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी न करने तथा सीएमओ त्योंथर अजय कुमार पाण्डेय को राष्ट्रीय परिवार सहायता राशि जारी न करने पर नोटिस दिया है.